S-203 Roll No. ……..

CVK–01

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र (सी. वी. के.–14 / 16 / 17)

परीक्षा सत्र, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. त्रिकाल सन्ध्या विधि, सूर्य उपासना एवं गायत्री का महत्त्व लिखिए।
2. वेदों का परिचय शाखा सहित विशदतया प्रतिपादित कीजिए।
3. अनुष्ठान विधि का वर्णन षोडशोपचार सहित कीजिए।
4. संकल्प विधि का वर्णन करते हुए अनुष्ठान की सफलता में संकल्प के योगदान विषय पर अपना विचार शास्त्रीय विधि से लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. पूजन का आरम्भ किस प्रकार से करना चाहिए ?
3. यजमान को तिलक लगाने की विधि क्या है ? समहत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
4. गणेश पूजन की विधि लिखिए।
5. पुण्याहवाचन का महत्त्व क्या है ?
6. हवन कुण्ड कितने प्रकार के होते हैं ? किसी एक हवनीय कुण्ड निर्माण की विधि लिखिए।
7. नवग्रह मण्डल पर कितने देवता होते हैं ? किन्हीं आठ देवताओं के वैदिक मन्त्र लिखिए।
8. शिलान्यस की संक्षिप्त विधि क्या है ?

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प चुनिए :

1. ब्रह्म यज्ञ क्या है ?

   (अ) अध्यापन

(ब) तर्पण
(स) होम
(द) बलि

2. पितृ यज्ञ है :
(अ) अध्यापन
(ब) तर्पण
(स) होम
(द) बलि

3. देव यज्ञ है :
(अ) अध्यापन
(ब) तर्पण
(स) होम
(द) बलि

4. भूत यज्ञ है :
(अ) अध्यापन
(ब) तर्पण
(स) होम
(द) बलि

5. नृयज्ञ है :
(अ) अध्यापन
(ब) तर्पण
(स) होम
(द) अतिथि सत्कार

6. पञ्चपल्लव में क्या नहीं है ?
(अ) आम्र
(ब) अशोक
(स) वट
(द) गूलर

7. सप्तमृत्तिका में क्या नहीं है ?
   (अ) अश्वशाला की मिट्टी
   (ब) गजशाला की मिट्टी
   (स) यज्ञशाला की मिट्टी
   (द) संगम की मिट्टी

8. सर्वोषधि में क्या नहीं है ?
   (अ) मुरा
   (ब) भोजपत्र
   (स) वच
   (द) कुष्ठ

9. पञ्चरत्न में क्या नहीं है ?
   (अ) कनक
   (ब) कुलिश
   (स) लाजावर्त
   (द) पुखराज

10. शिलान्यास में दूसरी शिला का नाम है :
   (अ) नन्दा
   (ब) भद्रा
   (स) ज्या
   (द) रिक्ता